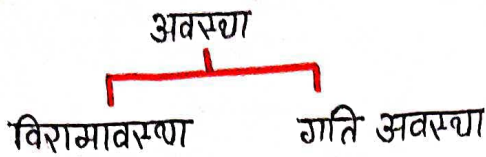


" बल & गति के नियम "

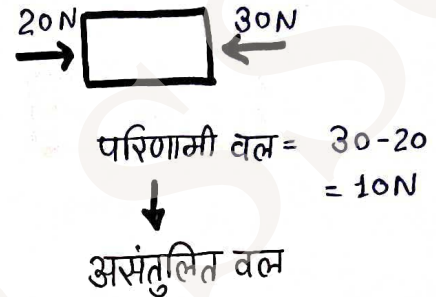
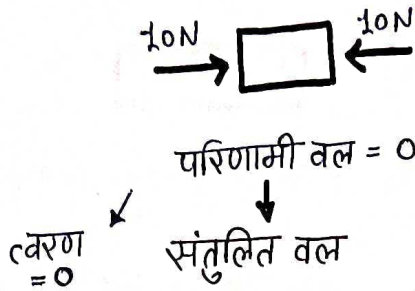


गति के कारण :



बल के प्रकार :

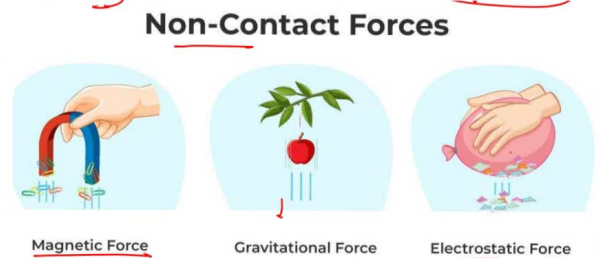
↓
मात्रक - न्यूटन



संपर्क बल & गैर संपर्क बल :

- ↓
1. घर्षण बल
 2. सामान्य / स्प्रिंग बल
 3. पेशीय बल

- ↓
1. चुम्बकीय बल
 2. गुरुत्वाकर्षण बल
 3. स्थिरवैद्युत बल



गति के नियम : न्यूटन - (3)

गति का प्रथम नियम :

जड़त्व ∝ द्रव्यमान

जड़त्व { विराम
गति
दिशा
↓
द्रव्यमान

" जौ वस्तु विरामावस्था में है वह विराम अवस्था में ही रहेगी तथा जौ वस्तु गति की अवस्था में है वह गतिमान ही रहेगी जब तक कि उस पर कोई बाहरी बल न लगाया जाए । "

- उदा० :
1. पेंड को हिलाने से उसके फल टूटकर नीचे गिर जाते हैं
 2. रुकी हुई गाडी के अचानक चलने पर उसमें बैठे यात्री पीछे की ओर झुक जाते हैं

गति का दूसरा नियम:

किसी पिण्ड के संवेग परिवर्तन की दर आरोपित बल के समानुपाती होती है तथा बल की दिशा में कार्यनि्वित होती है।



संवेग $\rightarrow p \rightarrow$ सदिश

$$p = m \times v \rightarrow \text{Kgm/s}$$

संवेग परिवर्तन = $mv - mu$

$$\text{संवेग परिवर्तन की दर} = \frac{mv - mu}{t} = \frac{m(v - u)}{t} \quad a = \frac{v - u}{t}$$

$$F = m \times a$$

↓
सदिश

$$F = \text{Kgm/s}^2$$

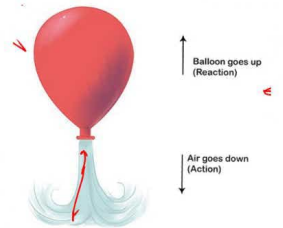
SI मात्रक = न्यूटन

प्रश्न: 5 Kg की वस्तु पर 2 सेकण्ड के लिए एक स्थिर बल कार्य करता है। यह 3 m/s से 7 m/s तक वस्तु का वेग बढ़ा देता है तो आरोपित बल का परिमाण ज्ञात करें जबकि बल 5 सेकण्ड के लिए आरोपित किया जाता है। वस्तु का अंतिम वेग क्या होगा ?

$$\rightarrow F = m \times a = m \left(\frac{v - u}{t} \right) = 5 \left(\frac{7 - 3}{2} \right) = 10 \text{ N}$$

$$10 = 5 \times \left(\frac{v - 3}{5} \right) = 10 = v - 3$$

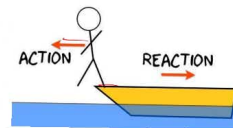
$$v = 13 \text{ m/s}$$



गति का तीसरा नियम:

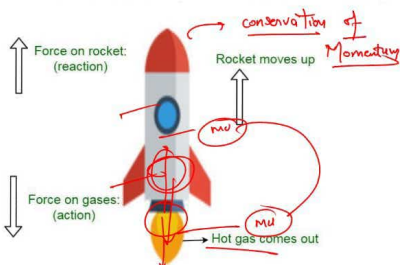
प्रत्येक क्रिया के लिए एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है।

“ क्रिया - प्रतिक्रिया का नियम ”



संवेग का संरक्षण:

संवेग की न ही उत्पन्न किया जाता है ना ही नष्ट। यह केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाते हैं।





प्रश्न:

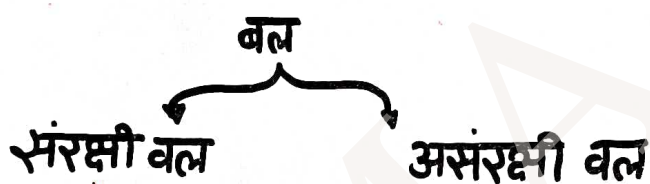
40 kg हल्यमान की एक लडकी घर्षण रहित पट्टियों वाली एक स्थिर गाड़ी पर 5 m/s के क्षैतिज वेग से कूदती है गाड़ी का हल्यमान 3 kg है। जैसे ही गाड़ी चलने लगती है तो उसका वेग क्या होता है? मान ले कि क्षैतिज दिशा में कोई बाहरी असंतुलित बल कार्य नहीं कर रहा है।

$$m_g u + m_c u = (m_g + m_c) \times v$$

$$40 \times 5 = (40 + 3) \times v$$

$$\frac{200}{43} = v \approx 4.65$$

- संपर्क बल का सही उदाहरण → मांसपेशीय बल
- बल की मात्रात्मक परिभाषा → गति का दूसरा नियम



● वह बल जिसके लिए किया गया कार्य पथ से स्वतंत्र होता है।

● जिसके लिये किया गया कार्य पथ पर निर्भर करता है।

→ घर्षण बल

→ वंदपथ पर किया गया कार्य = 0

→ गुरुत्वाकर्षण, स्थिर वैद्युत बल, चुम्बकीय बल

● प्रत्येक किलोग्राम पर पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल लगभग होता है → $10 \text{ m/s}^2 = g$
 $\{g = 9.8 \text{ m/s}^2\}$ → 10 N

● पलायन वेग = 11.2 m/s

● 1785 में, विद्युत आवेशों के बीच बल को मापने के लिए कैल्विन टोरसन बैलेंस का प्रयोग किया → चार्ल्स ऑगस्टिन कुलाम



- ⊙ बल का वह माप जिसके कारण कोई वस्तु किसी अक्ष के चारों ओर घूम सकती है कहलाती है- टॉर्क / Torque → बलघूर्ण
↳ बल × दूरी से दूरी

⊙ $F = m \times a = \frac{dp}{dt}$

PARMAR SSC